RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 24 JANUARY TO 30 JANUARY 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 18 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

रूस बना चीन का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर ड्रैगन ने सालभर में खरीदा 60.6 अरब डॉलर का तेल Page 2

डाक महिला संगठन द्वारा एम. वाय. अस्पताल में व्हील चेयर भेंट की गई Page 3

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से देश भर में हुआ सवा लाख करोड़ का कारोबार Page 4

editoria!

बढ़ता कर संग्रहण

बीते नौ वर्षों में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में 160.52 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी 14 में 6,38,596 करोड़ रुपये की राशि प्रत्यक्ष कर राजस्व के रूप में सरकार के पास आयी थी. वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 16,63,686 करोड़ रुपये हो गया. इस अवधि में आयकर रिटर्न भरने वाले लोगों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो गयी है. वित्त वर्ष 2013-14 में 3.8 करोड़ लोगों ने रिटर्न भरा था, जबकि 2022-23 में यह संख्या 7.4 करोड़ हो गयी. ये आंकड़े यह इंगित करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार लगातार मजबूत हो रहा है. यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसी अवधि में कई देशों की तरह भारत को भी कोरोना महामारी के कहर का सामना करना पड़ा. महामारी तथा भू-राजनीतिक संघर्षों एवं तनावों के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती रही है तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता बनी रही है. नोटबंदी के कारण भी कुछ समय तक विभिन्न आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा था. वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली लागू होने से भी कुछ समय के लिए वाणिज्यिक कामकाज प्रभावित हुए थे. फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ती कुछ अर्थव्यवस्थाओं में है. इसका एक बड़ा प्रमाण प्रत्यक्ष कर संग्रहण में वृद्धि के रूप में हमारे सामने है, वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में प्रत्यक्ष करों का हिस्सा 6.11 प्रतिशत रहा था, जो 15 वर्षों में सबसे अधिक योगदान है. यदि हम वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें, तो अप्रैल से 15 दिसंबर 2023 तक 6.24 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर राजस्व संग्रहित हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि में हुए संग्रहण से 19.8 प्रतिशत अधिक है. इस राशि में 4.81 लाख करोड़ रुपये कॉर्पोरेट टैक्स के रूप में और 1.42 लाख करोड़ रुपये व्यक्तिगत आयकर से आये हैं. मार्च में वित्त वर्ष के समाप्त होने तक इस आंकड़े में और बढ़ोतरी होगी. यह स्पष्ट हो गया है कि इस वर्ष जीडीपी की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक रहेगी. राजस्व में वृद्धि यह तो इंगित करती ही है कि कंपनियों और पेशेवर लोगों की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है, इससे यह भी आस बढ़ती है। कि विकास परियोजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के सरकार के पास समुचित पूंजी उपलब्ध है, सनद रहे कि अर्थव्यवस्था को गति देने में सरकारी पूंजी व्यय की बड़ी भूमिका रही है. कर संग्रहण बढ़ाने में पिछले कुछ वर्षों के कराधान प्रणाली में सुधार तथा तकनीक के अधिक उपयोग का बड़ा योगदान रहा है. इन उपायों से पारदर्शिता बढ़ी है तथा कर देने में आसानी हुई है.

दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों ने माना भारत का लोहा

2 साल तक कोई नहीं छिन पाएगा ये ताज: रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत इस साल और अगले साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहेगा। यह ताज देश से कोई नहीं छीन पाएगा। ऐसा कहना है दुनियाभर के अर्थशास्त्रियों का। रॉयटर्स द्वारा अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि लगातार बढ़ रहे सरकारी खर्च के कारण भारत इस साल और अगले साल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान महंगाई बढ़ने की संभावना भी नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश ने मार्च में खत्म होने वाले इस वित्तीय वर्ष की पहली दो तिमाहियों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। इसके पीछे मई में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के मद्देनजर विकास की गति को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा बढ़ाया गया खर्च एक बड़ा कारक है।

केंद्र का अहम किरदार

रिपोर्ट का कहना है कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार का अधिकांश सरकारी खर्च बुनियादी ढांचे के निर्माण में गया है। हालांकि, इस दौरान निजी निवेश और रोजगार सृजन पीछे रह गया है, इससे पता चलता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि में केंद्र सरकार की बड़ी भूमिका जारी रहेगी।

6.9 फीसदी की रफ्तार

54 अर्थशास्त्रियों के बीच 10-23 जनवरी तक कराए गए सर्वेक्षण में भविष्यवाणी की गई है कि इस वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था 6.9ऽ बढ़ेगी। यह दिसंबर के सर्वेक्षण में की गई भविष्यवाणी 6.7ऽ से कुछ अधिक है। इसके बाद अगले वित्तीय वर्ष में 6.3ऽ का विस्तार होने का है, जो पिछले सर्वेक्षण के समान ही है।

महंगाई होगी कम

खाद्य कीमतों के दबाव के कारण मुद्रास्फीति दिसंबर में चार महीनों में सबसे तेज गति से बढ़कर 5.69ऽ हो गई लेकिन अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि यह जल्द ही कम हो जाएगी। पैंथियन मैक्रोइकॉनॉमिक्स के चीफ इमर्जिंग एशिया इकोनॉमिस्ट मिगुएल चान्को ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मुद्रास्फीति अल्पावधि में काफी हद तक कम हो जाएगी।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह अर्थव्यवस्था सुस्ती के भी सूचक हैं। उन्होंने कहा कि यह खासतौर पर निजी खपत में कमी दिखा रहा है जो विकास का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है।

भारत से निर्यात में आई तेजी, ग्लोबल संकटों के बावजूद बढ़ रहा एक्सपोर्ट

एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, फलों, सब्जियों एवं आईटी सेवा सेक्टर में सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट हुआ है। हालांकि, कई जगह चल रही जंग से एक्सपोर्ट पर बुरा असर पड़ा है।

भारत से निर्यात में पिछले साल तेजी आई है। ग्लोबल संकटों के बावजूद माल एवं सेवाओं का निर्यात साल 2023 में 0.4 फीसदी बढ़कर 765.6 अरब डॉलर रहा है। आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो सबसे ज्यादा निर्यात इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कॉटन, फेब्रिक्स, सेरामिक, मीट, डेयरी, पोल्ट्री, फलों, सब्जियों एवं आईटी सेवाओं का हुआ।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, गुड्स एक्सपोर्ट में पिछले साल 4.71 फीसदी की कमी आई है। साल 2023 में यह आंकड़ा 431।9 अरब डॉलर रहा। हालांकि, सर्विसेज एक्सपोर्ट 7।88 फीसदी बढ़कर 333।8 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा मर्चेंडाइस इम्पोर्ट 7 फीसदी घटकर 667।73 अरब डॉलर रह गया। भारत से सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट अमेरिका, यूएई, नीदरलैंड्स, बांग्लादेश, ब्रिटेन और जर्मनी को किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध और यमन के नजदीक रेड सी में चल रहे संकट के चलते एक्सपोर्ट पर बुरा असर पड़ा है।

सर्विसेज एक्सपोर्ट में हुआ इजाफा

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, गुड्स एक्सपोर्ट में पिछले साल कमी आई है। मगर, सर्विसेज एक्सपोर्ट में इजाफे के चलते कुल निर्यात बढ़ा है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सर्विसेज सेक्टर के लिए रिजर्व बैंक ने नवंबर, 2023 में डाटा जारी किया था। दिसंबर, 2023 के डाटा के लिए वाणिज्य मंत्रालय ने अनुमान लगाया है। गुड्स शिपमेंट पर दुनियाभर में छिड़े युद्धों के चलते बुरा असर पड़ा है। इजरायल और हमास के महीनों से जंग छिड़ी हुई है। साथ में यमन में हूथी विद्रोही कार्गो शिप को लगातार निशाना बना रहे हैं। इससे कार्गो शिप्स को लंबा रूट लेकर दक्षिण अफ्रीका से होकर गुजरना पड़ रहा है।

जंग से ग्लोबल ट्रेड पर पड़ेगा बुरा असर

अंतरराष्ट्रीय कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जंग जैसे संकट जारी रहे तो इनसे ग्लोबल ट्रेड पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। इकोनॉमिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) ने कहा कि 2023 में भारत का एक्सपोर्ट और इंपोर्ट मिलाकर 2.6 फीसदी घटा है। यह 1609 अरब डॉलर पर आ गया है। यह आंकड़ा 2022 में 1651.9 अरब डॉलर रहा था। एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का अंतर नेगेटिव ट्रेड बैलेंस भी 2023 में घटकर 75.2 अरब डॉलर रह गया। यह आंकड़ा 2022 में 141.3 अरब डॉलर रहा था।

तीन तिमाही में ट्रेड डेफेसिट 188।02 अरब डॉलर रहा

चालू वित्त वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, गुड्स एक्सपोर्ट अप्रैल से दिसंबर 2023 के बीच 5.7 फीसदी घटकर 317.12 अरब डॉलर रह गया। सामान अवधि में इंपोर्ट भी 7.93 फीसदी कम होकर 505.15 अरब डॉलर रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाही में ट्रेड डेफेसिट 188.02 अरब डॉलर रहा है। अप्रैल से दिसंबर 2022 के बीच ट्रेड डेफेसिट 212.34 अरब डॉलर रहा था।

रूस बना चीन का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर

ड्रैगन ने सालभर में खरीदा 60.6 अरब डॉलर का तेल

नई दिल्ली। एजेंसी

सऊदी अरब को पछाड़कर रूस चीन का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर बन गया है। चीन दुनिया में तेल का सबसे बड़ा आयातक है। पिछले साल उसने रूस से रेकॉर्ड 10.7 करोड़ टन क्रूड खरीदा जो 2022 की तुलना में एक चौथाई ज्यादा है। चीन ने पिछले साल सऊदी अरब से 8.6 करोड़ टन क्रूड की खरीदारी की। 2018 के बाद यह पहला मौका है जब रूस चीन का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर बना है। पिछले साल उसने रूस से रोजाना 21.5 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। जहां तक भारत का सवाल है तो हमने पिछले साल रूस से रोजाना 17.9 लाख बैरल क्रूड खरीदा। यह 2022 के मुकाबले करीब दोगुना है।

पश्चिमी देशों ने रूस के तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल का प्राइस कैप लगा रखा है। लेकिन चीन की कंपनियां इससे कहीं ऊंची कीमत पर रूस से तेल खरीद रही हैं। इसकी वजह यह है कि चीन के लिए इस तेल को लाना सस्ता पड़ रहा है। इसका शिपिंग रूट

काफी छोटा है। इसकी तुलना में सऊदी अरब का तेल चीन को महंगा पड़ रहा है जबकि ईरान के साथ हाल में उसका विवाद हुआ है। यही वजह है कि रूसी तेल की डिमांड बढ़ी है। पिछले साल चीन ने रूस से 60.6 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा। इसकी एवरेज कीमत 77 डॉलर प्रति बैरल रही।

चीन के सप्लायर

पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक चीन को तेल सप्लाई करने के मामले में इराक तीसरे और मलेशिया चौथे नंबर पर रहा। चीन के सरकारी आंकड़ों में ईरान से आयात किए जाने वाले तेल को साउथईस्ट एशियाई देश से आने वाले क्रूड के रूप में दिखाया जाता है। चीन को पिछले साल फ्यूल ऑयल के मामले में भी रूस सबसे बड़ा सप्लायर रहा। उसने चीन को 96 लाख टन फ्यूल ऑयल बेचा। मलेशिया 69.3 लाख टन के साथ दूसरे नंबर पर रहा। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन वह अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल का आयात रोक दिया था। इसके बाद से रूस चीन और भारत को जमकर तेल बेच रहा है।

रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ 83.13 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपये में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ और यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले यह तीन पैसे की तेजी के साथ 83.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि घरेलू बाजार के सकारात्मक रुख और डॉलर के कमजोर रहने की वजह से रुपये को समर्थन मिला जबकि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी कोषों की निकासी के कारण रुपये का लाभ सीमित रहा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.15 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान यह 83.11 के उच्चस्तर और 83.16 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छूने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की तेजी के साथ 83.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

रुपया मंगलवार को 83.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

बीएनपी पारिबा बाय शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि रुपया थोड़ा सकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ कारोबार करेगा क्योंकि पीएमआई आंकड़े और जापानी येन में बढ़त से पहले अमेरिकी डॉलर नरम हो गया है। बाजार को उम्मीद है कि पीएमआई आंकड़ा पिछले महीने से कहीं बेहतर रहेगा। हालांकि, लाल सागर क्षेत्र को लेकर चिंताएं कायम हैं और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेज बढ़ोतरी को रोक सकती हैं।"

व्यापारी जर्मनी, यूरो क्षेत्र, ब्रिटेन और अमेरिका के पीएमआई आंकड़ों से पहले सतर्क रह सकते हैं। बृहस्पतिवार को अमेरिकी जीडीपी और ईसीबी मौद्रिक नीति निर्णय से पहले भी निवेशक सतर्कता का रुख अपना सकते हैं।

इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.11 पर रहा।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79.83 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 689.76 अंक की तेजी के साथ 71,060.31 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने बुधवार को 6,934.93 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इजरायल ने निकाला हूतियों के हमले का तोड़, दोस्त भारत से ऐसे आएगा सामान, नहीं होगा कोई खतरा

तेल अवीव। एजेंसी

इजरायल ने भारत से होने वाले व्यापार को जारी रखने के लिए नई तरकीब निकाली है। इससे इजरायल से आने या जाने वाले माल को हूती विद्रोहियों के हमले का कोई खतरा नहीं होगा। हूती विद्रोही गाजा पट्टी में हमले के कारण लाल सागर से होकर गुजरने वाले किसी भी इजरायली जहाज पर हमला कर रहे हैं। ऐसे में इजरायल ने अब भारत के साथ व्यापार के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के माध्यम से माल परिवहन करने की योजना बनाई है। इजरायल के बयान पर अभी तक यूएई के अधिकारियों की ओर से कोई भी टिप्पणी नहीं आई है।

इजरायली ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर ने क्या कहा

इजरायली परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने एक्स (ट्विटर) पर कहा, 'हमने अबू धाबी से इजरायल तक माल को जमीनी रास्ते से लाने के लिए पेशेवर टीमों की स्थापना की है।' उन्होंने कहा, 'माल के भूमि परिवहन से समय 12 दिन कम हो जाएगा और हूतियों के हमले की समस्या के कारण मौजूदा प्रतीक्षा समय भी काफी कम हो जाएगा। हम यह करेंगे और हम सफल होंगे।' हालांकि, मिरी रेगेव ने यह नहीं बताया कि यूएई से इजरायल तक माल की ढुलाई के लिए कौन से जमीनी रास्ते का इस्तेमाल किया जाएगा और ये किन-किन देशों से होकर गुजरेंगे।

इजरायली जहाजों पर हमले क्यों कर रहे हूती

इजराइल से संबंध रखने के संदेह में वाणिज्यिक जहाजों पर हूतियों के हमलों के बीच लाल सागर में तनाव बढ़ गया है। हूती का कहना है कि उनके हमलों का उद्देश्य इजरायल पर गाजा पट्टी में अपने घातक हमले को रोकने के लिए दबाव डालना है। इजरायल ने 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद गाजा पट्टी में हमले शुरू किए हैं। हमास के नियंत्रण वाले गाजा के स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि इजरायली हमलों में अब तक 25,295 से अधिक लोग मारे गए हैं। हालांकि, इजरायल ने इन लोगों की मौत के आंकड़ों को लेकर संदेह जताया है।

लाल सागर समुद्री मार्ग इतना महत्वपूर्ण क्यों

लाल सागर तेल और ईंधन शिपमेंट के लिए दुनिया के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले समुद्री मार्गों में से एक है। इसका उपयोग मिस्र की स्वेज नहर और अदन की खाड़ी के बीच पारगमन के लिए किया जाता है, जिससे जहाजों को अफ्रीका के दक्षिणी तट पर बहुत महंगे और लंबे मार्ग से बचने की अनुमति मिलती है। हाल के हूतियों के हमले के कारण कई कॉमर्शियल जहाज अफ्रीका की परिक्रमा करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इससे परिवहन लागत कई गुना बढ़ गई है।

हॉन्ग कॉन्ग को पछाड़कर दुनिया का चौथा बड़ा स्टॉक मार्केट बना भारत

जानिए अब कौन देश रह गए हैं आगे

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया है। भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को पछाड़कर पहली बार टॉप चार में जगह बनाई है। भारतीय एक्सचेंजों पर लिस्टेड शेयरों की कंबाइंड वैल्यू 4.33 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है जबकि हॉन्ग कॉन्ग के शेयर मार्केट की वैल्यू 4.29 ट्रिलियन डॉलर रह गई है। इस तरह भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा इक्विटी मार्केट बन गया है। भारतीय स्टॉक मार्केट पांच दिसंबर को पहली बार चार ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचा था। इसमें से करीब दो ट्रिलियन डॉलर भारत में पिछले चार साल में जोड़े हैं। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी इकॉनमी है। साथ ही आर्थिक सुधारों ने भी भारत को दुनियाभर के

निवेशकों का चहेता बना दिया है। अभी अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट है जिसकी वैल्यू 50.86 ट्रिलियन डॉलर है। चीन 8.44 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे और जापान 6.36 ट्रिलियन के साथ तीसरे नंबर पर है।

भारतीय शेयरों में पिछले साल काफी तेजी देखने को मिली थी। जानकारों का कहना है कि इस साल दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के ब्याज दरों में कटौती का अनुमान है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और भारतीय शेयर बाजार में तेजी आएगी। निवेशकों को एक फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट में होने वाली घोषणाओं का इंतजार है। हाल में विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। अगर आम चुनावों में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करती है तो इससे देश की इकॉनमी में और तेजी आने की उम्मीद है। भारतीय इक्विटी मार्केट्स में पिछले साल लगातार आठवें साल तेजी रही। दूसरी ओर हॉन्ग कॉन्ग के हेंग सेंग में लगातार चौथे साल गिरावट आई है जबकि चीन के शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में भी लगातार दूसरे साल गिरावट रही है।

हॉन्ग कॉन्ग को भी डुबो रहा चीन

चीन को आर्थिक मोर्चे पर कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा है जिसका असर हॉन्ग कॉन्ग पर भी पड़ रहा है। अमेरिकी निवेशकों पर चीनी कंपनियों में निवेश कम करने का जबरदस्त दबाव है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स उम्मीद कर रहे थे कि कोरोना से जुड़ी पाबंदियों के हटने के बाद चीन की इकॉनमी जोर पकड़ेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चीन का रियल एस्टेट गहरे संकट में है जबकि लोग पैसे खर्च करने से बच रहे हैं। माना जा रहा है कि चीन मंदी में फंस चुका है। चीन की रियल एस्टेट कंपनियों ने हॉन्ग कॉन्ग के विदेशी निवेशकों से जमकर लोन ले रखा है। इसका असर हॉन्ग कॉन्ग पर भी दिखने लगा है।

टैक्स कलेक्शन से भरा सरकार का खजाना

टैक्सपेयर्स की संख्या में उछाल, तोड़ा रेकॉर्ड

राम एस पाल

इंदौर। देश मे इनकम टैक्स रिटर्न फाइल (ITR Filing) करने वालों के आंकड़े ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इनकम टैक्स भरने वालों की संख्या में आए दिन तेजी देखने को मिल रही है। पिछले 10 सालों में ष्ऊँ भरने वालों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गई है। 10 सालों में ष्ऊँ फाइल करने वालों की संख्या 7.78 करोड़ पर पहुंच गई है। CBDT की तरफ से इस बारे में जानकारी दी गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को आंकड़े जारी करते हुए बताया है कि वित्त वर्ष 2022-23 में 7.78 लाख आयकर रिटर्न भरे गए हैं। यह 2013-14 में भरे गये 3.8 करोड़ आयकर रिटर्न के मुकाबले 104.91 फीसदी से ज्यादा है। इसी अवधि में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 2022-23 में 160.52 प्रतिशत बढ़कर 16,63,686 करोड़ रुपये रहा, जो 2013-14 में 6,38,596 करोड़ रुपये था। सरकार ने 2023-24 के बजट में प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत आयकर और कंपनी कर) से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। यह पिछले वित्त वर्ष में जुटाये गये 16.61 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 9.75 प्रतिशत ज्यादा है।

सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 2022-23 में 173.31 प्रतिशत बढ़कर 19,72,248 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2013-14 में 7,21,604 करोड़ रुपये था। इसके साथ, प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 5.62 प्रतिशत से बढ़कर 6.11 प्रतिशत हो गया। हालांकि, संग्रह लागत बढ़कर 2022-23 में 0.57 प्रतिशत हो गई जो 2013-14 में 0.51 प्रतिशत था।

डाक महिला संगठन द्वारा एम. वाय. अस्पताल में व्हील चेयर भेंट की गई

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

डाक महिला संगठन, इंदौर की अध्यक्ष सुश्री प्रीती अग्रवाल, पोस्टमास्टर जनरल, इंदौर परिक्षेत्र तथा संगठन की सक्रिय सदस्याओं द्वारा एम.वाय.अस्पताल में अस्पताल अधीक्षक एवं संयुक्त निदेशक डॉ श्री पी.एस. ठाकुर एवं डॉ श्री जितेन्द्र वर्मा उप अधीक्षक की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में व्हील चेयर भेंट की गई। कार्यक्रम में डाक महिला संगठन की सदस्यायें भी उपस्थित थी। संगठन के माध्यम से डाक विभाग की विभिन्न लाभकारी सेवाओं के प्रचार प्रसार हेतु पम्प्लेट बाटें गये , जिससे विभाग की सभी बचत योजनाओ का लाभ आमजन को मिल सके। संगठन द्वारा निरंतर सामाजिक सरोकार के कार्य किये जाते है एवं लोक कल्याणकारी कार्यो में संगठन हमेशा से ही भागीदारी निभाते आ रहा है। विगत दिनों में संगठन द्वारा वृधाश्रम, अनाथाश्रम में कम्बल, स्वेटर, पुस्तकों एवं

अन्य सामग्री का वितरण किया गया है। इसी क्रम में सुश्री प्रीती अग्रवाल की अध्यक्षता में इंदौर क्षेत्रीय कार्यालय में हल्दी कुम-कुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे डाक महिला सगंठन के समस्त सदस्यो द्वारा भाग लिया गया।

हाल के वैश्विक झटकों से मजबूत हुआ है भारत, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास का दावा

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने अगले फाइनेंशियल ईयर में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 परसेंट रहने का अनुमान जताया है लेकिन आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष 2024-25 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। साथ ही महंगाई में नरमी जारी रहने की उम्मीद है। दास ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में कहा कि हाल के वर्षों में सरकार ने जो संरचनात्मक सुधार किए, उनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मध्यम, दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को बल मिला। चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापक आर्थिक माहौल के बीच, भारत वृद्धि और स्थिरता की मिसाल पेश कर रहा है। आरबीआई गवर्नर ने 'उच्च वृद्धि, कम जोखिमः भारत की कहानी' विषय पर आयोजित सीआईआई सत्र में कहा कि वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर महंगाई में गिरावट हुई है, लेकिन वृद्धि दर कम बनी हुई है। दास ने कहा कि बिना किसी बाधा के आगे बढ़ने की संभावना है और बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय जोखिम और जलवायु जोखिम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'मजबूत घरेलू मांग के साथ, भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हम हाल के वैश्विक झटकों से मजबूत होकर उभरे हैं।'

कब घटेगी महंगाई

दास ने आगे कहा कि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार के साथ बाहरी संतुलन का प्रबंधन आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'हेडलाइन महंगाई' 2022 की गर्मियों के उच्च स्तर के मुकाबले काफी हद तक कम हो गई है। इससे पता चलता है कि हमारी मौद्रिक नीति कार्रवाई और नकदी का पुनर्संतुलन असर दिखा रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'मुख्य महंगाई भी धीरे-धीरे क्रमिक रूप से कम हुई है, जबकि सरकार के सक्रिय आपूर्ति-पक्ष के हस्तक्षेप ने भी खाद्य कीमतों के झटके से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।' दास ने उम्मीद जताई कि अगले साल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित औसत महंगाई 4.5 प्रतिशत होगी और आरबीआई जल्द से जल्द चार प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध और आश्वस्त है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।' सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ खुदरा महंगाई को चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी दी है।

अब हर हाथ में होगा मेड इन इंडिया आईफोन

टाटा के प्लान को सरकार ने दी हरी झंडी

सत्यम सिंह गोल्डी

नई दिल्ली। देश में आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग को बड़ा बूस्ट मिला है। कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने टाटा-विस्ट्रॉन की डील को हरी झंडी दे दी है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन के भारत में ऑपरेशन को खरीदने के लिए पिछले साल अक्टूबर में एक डील की थी। विस्ट्रॉन का बेंगलुरु के करीब एक प्लांट है जिसमें आईफोन की एसेंबलिंग की जाती है। टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए करीब एक साल से बातचीत चल रही थी। विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं। विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाती है। विस्ट्रॉन भारत में आईफोन बिजनस से निकलना चाहती है और टाटा ने खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में ऐपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी। 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और ऐपल के लिए आईफोन का प्रॉडक्शन शुरू किया था।

चीन को लगेगी मिर्च

चीन और अमरीका के बीच विवाद के बीच ऐपल ने अपने ग्लोबल प्रॉडक्शन का लगभग 25ङ्क भारत में शिफ्ट करने के प्लान की घोषणा की थी। ऐपल के प्रॉडक्ट्स को असेंबल करने वाली तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है। फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन ने भारत में अपनी प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी हैं। भारत सरकार कंपनियों को अपने उत्पादन और रोजगार बढ़ाने के लिए इन्सेंटिव दे रही है। इंटरनेशनल कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता कम कर रही हैं। ऐसी स्थिति में भारत निवेश के लिए पसंदीदा देश बनकर उभरा है। टाटा ग्रुप ने हाल में इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्शन में एंट्री मारी है। तमिलनाडु में कंपनी की फैक्ट्री में आईफोन का चेसि यानी डेवाइस का मेटल बैकबोन बनाती है। साथ ही कंपनी ने चिप बनाने में भी दिलचस्पी दिखाई है।

सरकार की नजर छोटी बचत योजनाओं पर, सुकन्या समृद्धि को मिल सकता है पुश

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक के इकॉनमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार FY25 के लिए फिस्कल डेफिसिट GDP (सकल घरेलू उत्पाद) के 5.5% के करीब रहने की संभावना है। यह FY24 में ग्रॉस टैक्स और GDP रेशो 16 साल के उच्चतम और FY25 में पिछले दो दशकों में अब तक के उच्चतम स्तर को छू सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चीफ इकॉनमिक अडवाइजर सौम्या कांति घोष के अनुसार FY24 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू GDP का 11.6% होने की संभावना है जो 16 साल का उच्चतम स्तर होगा। हमें उम्मीद है कि FY25 में ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू पिछले 2 दशकों में सबसे अधिक

होगा। हमारा मानना है कि फिस्कल डेफिसिट FY24 में पूर्ण रूप से घट सकता है, लेकिन GDP के रूप में यह 5.9% हो सकता है और FY25 के अंतरिम बजट में 5.5% पर तय होने की संभावना है। जुलाई में पेश किया जाने वाला बजट मई 2024 में जारी होने वाले GDP आंकड़ों के आधार पर इसे 5.3% -5.4% के निचले स्तर पर सेट कर सकता है।

फिस्कल डेफिसिट की फाइनैंसिंग के संबंध में सरकार छोटी बचत योजनाओं पर भरोसा करना जारी रखेगी। यह मिशन ड्राइव मोड में नए रजिस्ट्रेशन को प्रोत्साहित करके 12 साल तक के सभी बचे हुए मामलों के लिए एक बार रजिस्ट्रेशन की अनुमति देकर सुकन्या समृद्धि योजना को पुश दे सकता है। बैंकों द्वारा बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट चैनल पार्टनर्स को शामिल करना बेहद उपयोगी हो सकता है, क्योंकि डाकघरों की तुलना में बैंकों की हिस्सेदारी कम है।

कितना लोन बंटेगा

मौजूदा वित्त वर्ष में बैंकों की लोन ग्रोथ 15 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, लेकिन अगले फाइनैंशल ईयर में इसकी रफ्तार घटेगी। यह अनुमान जताया है रेटिंग एजेंसी ICRA ने। FY2025 में बैंक क्रेडिट ग्रोथ 12 प्रतिशत रह सकती है। मौजूदा वित्त वर्ष में 14.9-15.3 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ के साथ आंकड़ा करीब 21 लाख करोड़ रुपये का रह सकता है। यह अब तक की सबसे अधिक इंक्रीमेंटल बैंक क्रेडिट ग्रोथ होगी। इससे पहले इकरा ने इस वित्त वर्ष में करीब 13 प्रतिशत की लोन ग्रोथ का अनुमान जताया था। FY2023 में 15.4 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 18.2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा दर्ज किया गया था। इकरा ने कहा कि FY2025 में बैंक लोन ग्रोथ घटकर 11.7 से 12.6 प्रतिशत पर आ सकती है। वैश्विक स्तर पर उभर रही मुश्किलों और ऊंचे बेस के अलावा डिपॉजिट हासिल करने से जुड़ी चुनौतियों के चलते बैंक लोन ग्रोथ घटने का अनुमान है।

राज्यों की हालत

इसके अलावा राज्यों की माली हालत से जुड़ी रिपोर्ट में इकरा ने कहा कि इनका रेवेन्यू वित्त वर्ष 2024 के बजट में तय किए गए स्तरों से कम रह सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि 16 राज्य सरकारों की सम्मिलित राजस्व प्राप्तियों में अप्रैल से नवंबर के बीच सालभर पहले के मुकाबले लगभग 5 प्रतिशत की ही बढ़त दिख रही है जो 17.4 पर्सेंट ग्रोथ के बजट अनुमानों से काफी कम है। सेल्स टैक्स में कमी के अलावा स्टेट जीएसटी और एक्साइज ड्यूटी में बजटीय अनुमानों से कम बढ़त के चलते राज्यों के अपने टैक्स रेवेन्यू की ग्रोथ लगभग 11 प्रतिशत ही रही। अप्रैल-नवंबर के बीच केंद्र से मिलने वाली ग्रांट्स में काफी कमी रही। इसका भी राज्यों की राजस्व प्राप्तियों पर असर पड़ा है।

न्यायालय का व्हिस्की विनिर्माता को पैकेजिंग में बदलाव पर गौर करने का निर्देश

नयी दिल्ली। एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने 'लंदन प्राइड' ट्रेडमार्क के तहत व्हिस्की बनाने और बेचने वाली मध्य प्रदेश स्थित एक कंपनी को यह सूचित करने का निर्देश दिया कि क्या वह अपने उत्पाद की साज-सज्जा और रंग बदलने को तैयार है। न्यायालय ने शराब उत्पादक पर्नाड रिकर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के 'ब्लेंडर्स प्राइड' और 'इंपीरियल ब्लू' व्हिस्की से मिलता-जुलता उत्पाद होने की वजह से लंदन प्राइड की विनिर्माता जेके एंटरप्राइजेज को यह निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'लंदन प्राइड' की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर से इस निर्देश पर कंपनी की प्रतिक्रिया के बारे में अगली सुनवाई तक सूचित करने को कहा।

पीठ ने कहा, 'आपने ('लंदन प्राइड') उत्पाद का एक ही कलेवर और रंग एवं बाकी चीजें क्यों अपनाई हैं? इस बारे में निर्देश प्राप्त करें कि क्या आप इसका कलेवर और रंग बदलेंगे।'

न्यायालय ने पर्नाड रिकर्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से दायर एक अपील पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अगली सुनवाई में नामों पर ट्रेडमार्क विवाद के मुद्दे पर दलीलें सुनेगी। कंपनी ने इस अपील में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के नवंबर, 2023 में आए फैसले को चुनौती दी है जिसमें जेके एंटरप्राइजेज पर उत्पाद की नकल करने का आरोप लगाते हुए इसकी बिक्री पर रोक लगाने की मांग ठुकरा दी गई थी।

पर्नाड रिकर्ड का कहना है कि मध्य प्रदेश स्थित कंपनी उसके ट्रेडमार्क की पूरी तरह नकल कर रही है और 'लंदन प्राइड' नाम से अपने व्हिस्की ब्रांड का उत्पादन और बिक्री कर रही है। व्हिस्की ब्रांडों के ट्रेडमार्क के कथित उल्लंघन पर जारी कानूनी जंग में पांच जनवरी को एक असामान्य दृश्य नजर आया था। उस दिन उच्चतम न्यायालय में दोनों पक्षों की शराब की बोतलें दिखाई गई थीं।

घरेलू कोयला आधरित बिजलीघरों में उत्पादन अप्रैल-दिसंबर में सात प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। एजेंसी

घरेलू कोयले पर आधारित बिजलीघरों में उत्पादन चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 7.14 प्रतिशत बढ़कर 872 अरब यूनिट रहा। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घरेलू कोयले पर आधारित बिजली उत्पादन का बढ़ना देश में बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कोयले की पर्याप्त आपूर्ति को दर्शाता है। एक साल पहले की समान अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 813.9 अरब यूनिट रहा था।

ताप-विद्युत बिजली इकाइयों को चलाने के लिए मुख्य ईंधन के तौर पर कोयले का इस्तेमाल होता है। कुल बिजली उत्पादन में ताप-विद्युत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से भी अधिक है।

मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में कोयला आधारित बिजली उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 10.13 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल-दिसंबर, 2022 में बिजली उत्पादन 6.71 प्रतिशत बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में बिजली उत्पादक इकाइयों में मिश्रण के लिए कोयले का आयात 40.66 प्रतिशत घटकर 1.70 करोड़ टन रह गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.87 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था। कोयला आधारित बिजली उत्पादन ने भारत की ऊर्जा मांग को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। औद्योगिक वृद्धि, तकनीकी प्रगति, जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास जैसे कारकों से बिजली की मांग बढ़ी है।

एयर इंडिया ने चौड़े आकार वाले ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया

मुंबई। एजेंसी

निजी एयरलाइंस एयर इंडिया ने सोमवार को अपने पहले चौड़े आकार वाले ए350 विमान का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। इस विमान ने मुंबई हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

कुल 316 सीटों वाले ए350-900 विमान में तीन श्रेणी के केबिन हैं। इनमें फुल-फ्लैट बेड वाले 28 निजी बिजनेस सुइट, 24 प्रीमियम इकोनॉमी और 264 इकोनॉमी सीट हैं। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'एयर इंडिया की उड़ान एआई-589 ने सोमवार को यात्रियों की पूरी क्षमता के साथ मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से चेन्नई के लिए उड़ान भरी।'

चालक दल के इससे परिचित होने और नियामक अनुपालन के लिए विमान शुरू में घरेलू मार्गों – बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई – पर उड़ान भरेगा। एयरलाइन ने कहा कि बाद में इसे लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैनात किया जाएगा।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से देश भर में हुआ सवा लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

अयोध्या के नव-निर्मित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन हो चुका है। इस कार्यक्रम से देश की अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय बहुत मज़बूती से जुड़ा है। अनुमान है कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कारण से देश में लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का बड़ा कारोबार हुआ। इसमें अकेले दिल्ली में लगभग 25 हज़ार करोड़ रुपये तथा उत्तर प्रदेश में लगभग 40 हज़ार करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवाओं की बिक्री हुई है। यह अनुमान है कंफेडरेशन भक्ति से बढ़ा है बाजार कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि कहा कि देश में ऐसा पहली बार हुआ जब आस्था एवं भक्ति के कारण इतनी अधिक राशि व्यापार के ज़रिए देश के बाज़ारों में आया। विशेष बात यह है कि यह सारा व्यापार छोटे व्यापारियों एवं लघु

उद्यमियों द्वारा किया गया जिसके कारण यह पैसा व्यापार में आर्थिक तरलता को बढ़ाएगा।

रोजगार के नए अवसर

खंडेलवाल का कहना है कि राम मंदिर की वजह से देश में कारोबार के नए अवसर मिले हैं। वहीं, लोगों को बड़े पैमाने पर रोज़गार भी मिलेगा। अब समय आ गया है जब एंटरप्रोन्योर्स एवं स्टार्टअप्स को व्यापार में नये आयाम जोड़ने की क़वायद करनी चाहिए।

क्या क्या बिके हैं

कैट के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में देश भर में करोड़ों की संख्या में राम मंदिर के मॉडल, माला, लटकन, चूड़ी, बिंदी, कड़े, राम ध्वज, राम पटके, राम टोपी, राम पेंटिंग, राम दरबार के चित्र, राम मंदिर के चित्र आदि की भी ज़बरदस्त बिक्री हुई। इस दौराना देश भर में पंडितों एवं ब्राह्मणों को भी बड़े पैमाने पर आय हुई। करोड़ों किलो मिठाई एवं ड्राई फ्रूट की प्रसाद के रूप में वितरित हुए। यह सब आस्था और भक्ति के सागर में डूबे लोगों द्वारा किया गया और देश भर में ऐसा मंजर पहले कभी देखने को नहीं मिला। देश भर में करोड़ों रुपये के पटाखे, मिट्टी के दीपक, पीतल एवं अन्य वस्तुओं से बने दीपक की भी खूब बिक्री हुई।

अयोध्या बनेगा बड़ा पर्यटन स्थल, हर साल 5 करोड़ से भी ज्यादा पहुंचेंगे तीर्थयात्री, जानिए पूरी बात

नई दिल्ली। एजेंसी

आज पूरा देश राममय हो गया है। ऐसा क्यों नहीं हो। आज यानी, सोमवार 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में नव-निर्मित राम मंदिर का भव्य उद्घाटन जो हो रहा है। यह एक बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के लाखों लोग वहां पहुंच रहे हैं। विदेशी ब्रोकरेज फर्म जेफरीज वींगे ने एक रिपोर्ट में कहा है कि अयोध्या के रूप में भारत को एक नया पर्यटन स्थल मिला है। वहां सही तरीके से सुविधाएं विकसित हुईं तो वह हर साल पांच करोड़ से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है।

अरबों डॉलर का हो रहा है निवेश

ऐतिहासिक शहर अयोध्या में इस समय करीब 10 अरब डॉलर के निवेश से मेकओवर चल रहा है। इसमें एक हवाईअड्डा, विशालकाय रेलवे स्टेशन, न्यू टाउनशिप, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी आदि शामिल है। उस शहर में कई नए होटल भी खुल रहे हैं। इसी के साथ वहां मॉल और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर का भी डेवलपमेंट होगा। इन सब का वहां की अर्थव्यवस्था पर मल्टीप्लायर इफेक्ट होगा और अन्य आर्थिक गतिविधियों के साथ कई गुना प्रभाव डालेगा। यह पर्यटन के लिए बुनियादी ढांचे से प्रेरित विकास के लिए एक खाका भी तैयार कर सकता है।

टूरिस्ट हॉटस्पॉट बनने को तैयार

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या भारत के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक टेम्पलेट है। वहां चल रहा 10 अरब डॉलर का मेकओवर अब प्राचीन शहर को एक उनींदे शहर से एक वैश्विक धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटक हॉटस्पॉट में बदलने के लिए तैयार है। वहां करीब 22.5 करोड़ डॉलर के निवेश से नया राम मंदिर बनाया जा रहा है। इससे पर्यटन बढ़ने और अयोध्या में आर्थिक और धार्मिक प्रवास बढ़ने का अनुमान है। इससे होटल, एयरलाइंस, हॉस्पिटेलिटी, एफएमसीजी के साथ साथ कई इंडस्ट्री को लाभ होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

नए एयरपोर्ट पर चल रहा है काम

अयोध्या में इस समय नए हवाई अड्डा को कई चरणों में विकसित करने पर काम चल रहा है। अयोध्या एयरपोर्ट के फज वन का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ है। इस यसमय यह हवाई अड्डा 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। इसका विस्तार भी चल रहा है जो कि डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल, दोनों में है। इसके साल 2025 में पूरा होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसके पूरा हो जाने के बाद अयोध्या के एयरपोर्ट पर साल में 60 लाख पैसेंजर्स के हैंडलिंग की कैपिसिटी हो जाएगी।

बनाया गया है नया रेलवे स्टेशन

अयोध्या में पहले एक छोटा सा रेलवे स्टेशन था। अयोध्या के मुकाबले वहां का फैजाबाद रेलवे स्टेशन ज्यादा बड़ा था। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले ही अयोध्या में नए रेलवे स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण किया गया है। अब इस रेलवे स्टेशन में हर रोज 60,000 यात्रियों की हैंडलिंग क्षमता हो गई है।

बन रही है ग्रीनफील्ड टाउनशिप

अयोध्या में सरयू नदी के किनारे एक ग्रीनफील्ड टाउनशिप की योजना भी तैयार हो गई है। पिछले दिनों ही खबर आई थी कि इसी टाउनशिप में बालीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कई करोड़ रुपये के निवेश से प्लॉट लिया है। इस टाउनशिप में अन्य लोगों के लए भी प्लॉट की बिक्री जारी है। यह ग्रीनफील्ड 1200 एकड़ क्षेत्र में फैली होगी। इसकी के साथ अयोध्या को देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए कनेक्टिविटी भी बढ़ाई जा रही है।

पर्यटन से होती है बड़ी आमदनी

भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान बहुत ज्यादा है। कोरोना काल से पहले देखें तो साल 2018-19 में पर्यटन क्षेत्र ने जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया था। इसके वित्त वर्ष 2032-33 तक 8 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर 443 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। वैसे भी भारत में टूरिज्म टू जीडीपी रेशियो सकल घरेलू उत्पाद का 6.8 प्रतिशत है। यहां धार्मिक पर्यटन का भी आकार काफी बड़ा है और यह देश के करीब हर राज्यों में फैला हुआ है। तभी तो कई धार्मिक पर्यटन स्थलों पर साल में तीन करोड़ तीर्थयात्री तक पहुंचते हैं।

15 साल पहले ही कर दिया था राम मंदिर बनाने का वादा...

कहानी L&T को बुलंदी पर पहुंचाने वाले 'नायक' की

नई दिल्ली। एजेंसी

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। इस मंदिर का निर्माण इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (L&T) कर रही है। यह दुनिया की टॉप इन्फ्रा कंपनियों में शामिल है। इसने देश-विदेश में कई ऐसे प्रोजेक्ट बनाए हैं जिन्हें इंजीनियरिंग का नगीना माना जाता है। इनमें मुंबई में अटल सेतु, गुजरात में सरदार पटेल की मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, अहमदाबाद में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम और ओडिशा में दुनिया का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम शामिल है। इसकी स्थापना आजादी से पहले दो विदेशी इंजीनियरों ने की थी लेकिन इसे बुलंदियों पर पहुंचाने का श्रेय एएम नाइक को जाता है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का दावा है कि राम मंदिर बनाने के लिए 15 साल पहले एलएंडटी से चर्चा हुई थी। तब कंपनी के चीफ एएम नाइक ने इसे बनाने का वादा किया था। एक नजर एएम नाइक के करियर पर...

नाइक एलएंडटी में छह दशक की सेवा के बाद पिछले साल 30 सितंबर को रिटायर हो गए। बोर्ड ने उन्हें चेयरमैन एमेरिटस का स्टेटस दिया है। नाइक ने 1965 में जूनियर इंजीनियर के पद पर कंपनी में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें साल 1999 में कंपनी का सीईओ बनाया गया और जुलाई 2017 में वह एलएंडटी ग्रुप के चेयरमैन बने। अपनी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने कंपनी को बुलंदियों पर पहुंचाया। उनके दौर में कंपनी ने इंजीनियरिंग के साथ-साथ डिफेंस, आईटी और रियल एस्टेट में भी कदम रखे। आज की तारीख में एलएंडटी का 90इ रेवेन्यू उन बिजनस से आता है जिन्हें नाइक ने शुरू किया था। कंपनी में उनके योगदान को इसी बात से समझा जा सकता है कि उनके रिटायरमेंट पर कंपनी ने शेयरहोल्डर्स को छह रुपये का स्पेशल डिविडेंड देने का फैसला किया था।

कंपनी ने कर दिया था रिजेक्ट

नाइक ने गुजरात के बिड़ला विश्वकर्मा महाविद्यालय से ग्रेजुएशन किया था और फिर ध्ऊ में नौकरी के लिए आवेदन किया। लेकिन कंपनी ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया था। एलएंडटी में उस समय ध्ऊ के स्टूडेंट्स को अधिक वरीयता दी जाती थी। बाद में उन्हें कंपनी में जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्त कर लिया गया। 15 मार्च 1965 में उन्होंने एलएंडटी में नौकरी जॉइन की थी। एलएंडटी की सफलता का राज बताते हुए नाइक कहते हैं कि उन्होंने 21 साल में कोई छुट्टी नहीं ली। रोजाना 15 घंटे काम किया और तब जाकर एलएंडटी आज इस मुकाम पर पहुंची है। नाइक ने रिटायरमेंट से पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने परिस्थिति के हिसाब से हर तीन साल में खुद में बदलाव किया।

कॉलेज के दिनों को याद करते हुए नाइक ने कहा था कि वह क्लास में कम जाते थे और इस पर एक प्रोफेसर ने उन पर ताना मारा था। उन्होंने कहा, 'जब मैं स्टूडेंट था तो मैं दूसरी एक्टिविटीज में बिजी रहता था। क्लास में प्रोफेसर मुझे ताना मारा करते थे। वह कहते थे कि एक आदमी ऐसा है जिसने एसएससी में अच्छा स्कोर किया है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह कॉलेज में भी अच्छा प्रदर्शन करेगा। वह ऐसा कहकर मेरी तरफ देखते थे।' लेकिन ग्रेजुएशन करने के बाद उनकी धारा बदल गई। उन्होंने कहा, 'जिस दिन मैं कॉलेज के गेट से बाहर आया, उस दिन मैंने खुद से कहा कि स्टूडेंट लाइफ खत्म हो गई है और अब कॉरपोरेट लाइफ पर काम करने की जरूरत है। मैं ऐसा स्टूडेंट था जो शायद ही कभी क्लास में जाता था लेकिन उसके बाद मैंने खुद में बदलाव किया। नौकरी जॉइन करने के बाद मैंने 21 साल तक कोई छुट्टी नहीं ली और दिन में 15 घंटे काम किया।'

ऑफिस में ही सो जाया करते थे

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए नाइक ने कहा था कि वह देर तक ऑफिस में काम करते थे और घर में उनकी पत्नी अकेली होती थी। उन्होंने कहा, 'कई बार मैं रात 12 बजे की बस मिस कर देता था। कई बार मैं ऑफिस की टेबल पर ही सोया करता था।' एलएंडटी पर देश के कई उद्योगपतियों की नजर थी लेकिन नाइक ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। आज एलएंडटी का मार्केट कैप 511,682.94 करोड़ रुपये है और यह देश की 11वीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इंजीनियरिंग और इंफ्रा के साथ-साथ इसका बिजनस आईटी, फाइनेंस और रियल एस्टेट में भी फैला है। इसे बुलंदियों पर पहुंचाने का श्रेय नाइक को ही जाता है।

Budget 2024: भूल जाएंगे पुरानी पेंशन! NPS में भारी बदलाव की तैयारी में सरकार

अंतरिम बजट में हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) को आकर्षक बनाने के लिए अंतरिम बजट में कुछ घोषणाएं कर सकती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट होगा। सरकार 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए योगदान तथा निकासी पर कर रियायतें बढ़ाकर एनपीएस को और अधिक आकर्षक बना सकती है। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने नियोक्ताओं द्वारा योगदान के लिए टैक्सेशन के मोर्चे पर कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय (ईपीएफओ) में समानता का अनुरोध किया है। इस संबंध में कुछ घोषणाएं अंतरिम बजट में किए जाने की उम्मीद है। वर्तमान में कर्मचारियों के लिए कोष निर्माण में नियोक्ताओं के योगदान में असमानता है, जिसमें कॉर्पोरेट द्वारा मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते के 10 प्रतिशत तक के योगदान को एनपीएस योगदान के लिए कर से छूट दी गई है, जबकि ईपीएफओ के मामले में यह 12 प्रतिशत है। डेलॉयट की बजट अपेक्षाओं के अनुसार, एनपीएस के माध्यम से दीर्घकालिक बचत को बढ़ावा देने और 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर के बोझ को कम करने के लिए एनपीएस के वार्षिकी हिस्से को 75 वर्ष की आयु से धारकों के लिए कर मुक्त किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं ऑडिट सेवा देने वाली कंपनी डेलॉयट के अनुसार, एनपीएस को ब्याज तथा पेंशन के साथ शामिल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को एनपीएस से प्राप्त आय पर रिटर्न दाखिल न करना पड़े। वर्तमान में 60 प्रतिशत की एकमुश्त निकासी कर मुक्त है।

समिति की रिपोर्ट

नई कर व्यवस्था के तहत एनपीएस योगदान के लिए कर छूट प्रदान करने की भी मांग उठ रही है। अभी धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एनपीएस में किसी व्यक्ति के 50,000 रुपये तक के योगदान पर पुरानी कर व्यवस्था के तहत कटौती होती है, लेकिन नई कर व्यवस्था के तहत नहीं। यह पुरानी कर व्यवस्था में धारा 80सी के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की कर राहत से अधिक है। सरकारी कर्मचारियों के संबंध में सरकार ने पिछले साल पेंशन प्रणाली की समीक्षा करने और इसकी बेहतरी के लिए उपाय सुझाने के लिए वित्त सचिव टी.वी. सोमनाथन के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट अभी तक नहीं सौंपी है।

आपने भी पहना है रत्न, तो ऐसे पहचाने फायदा हो रहा है या नुकसान

ग्रहों के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए रत्न पहनने की सलाह दी जाती है. रत्न हमारे जीवन पर अच्छा और बुरा दोनों असर डालते हैं, यही वजह है कि रत्न धारण करने से पहले ये महत्वपूर्ण बातें जान लें. ज्योतिष शास्त्र में 84 रत्न का वर्णन है लेकिन 9 मुख्य रत्न बताए गए हैं जिनका नवग्रहों से खास संबंध है. रत्न रंगों और तरंगों के जरिए हमारे जीवन पर प्रभाव डालते हैं. रत्नों को हमेशा शरीर के उजागर अंगों अर्थात जहां प्राकृतिक प्रकाश का संपर्क सबसे ज्यादा हो वहां रत्न पहना जाता है, इसलिए इसे हाथ में पहनना अधिक प्रभावशाली माना गया है. आज की पीढ़ी रत्न पहनने से परहेज करती है. रत्न न सिर्फ धार्मिक बल्कि साईंटिफिक तौर पर भी कारगर बताया गया है. आइए जानते हैं रत्न कैसे हमारे शरीर पर असर डालते हैं.

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

रत्न क्यों है महत्वपूर्ण

मानव शरीर के पांचों तत्वों से मिलकर बना है. कहते हैं जिस तरह संतुलिक आहार शरीर को पूरी स्वस्थ रखने में मदद करता है उसी तरह शरीर के प्राकृतिक तत्वों को संतुलित रखने में रत्न अहम भूमिका निभाते हैं. शरीर के सात चक्रों को जागृत रखते हैं. रत्न नकारात्मक उर्जा को दूर करने और सकारात्मक उर्जा को बढ़ाने में मदद करते हैं. सही रत्न पूरी विधि विधान से ग्रहण किया जाए तो ये ग्रहों के दुष्प्रभाव से व्यक्ति की रक्षा करता है.

रत्न फायदे के साथ नुकसानदायक भी है

जिस तरह बीमारी में गलत दवा लेने पर उसके साइड इफेक्ट होते हैं उसी तरह गलत रत्न या फिर उसे गलत तरीके से धारण करने पर फायदे की जगह नुकसान होने लगता है. रत्न से जुड़ी एक गलती आपके लिए मुसीबत बन सकती है, इसलिए बिना ज्योतिष की सलाह के रत्न धारण न करें.

किस रत्न का कौन से ग्रह से है संबंध

सूर्य का रत्न (माणिक्य) - माणिक्य सूर्य का रत्न कहलाता है. सूर्य की अशुभता दूर करने के लिए इसे धारण किया जाता है. माणिक्य नुकसान करे तो सिरदर्द और हड्डियों में दर्द होने लगता है.

चंद्रमा का रत्न (मोती) - चंद्रमा मन का कारक है, मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए मोती धारण किया जाता है. जिन लोगों ने मोती धारण किया है अगर उनकी मानसिक स्थितियां बिगड़ने लगे तो इसका मतलब है मोती आपको नहीं फल रहा है.

मंगल का रत्न (मूंगा) - ज्योतिष में बताया गया है कि जीवन पर मांगलिक दोष का अशुभ प्रभाव से राहत पाने, वैवाहिक जीवन में सुख-शांति के लिए मूंगा धारण करने की सलाह दी जाती है. मूंगा नुकसान करे तो दुर्घटना और रक्त की समस्या होने लगती है.

बुध का रत्न (पन्ना) - बुद्धि में वृद्धि करता है पन्ना. वाणी में निखार आने लगता है. स्वास्थ अच्छा रहता है लेकिन अगर त्वचा संबंधी परेशानी हो, संतान पक्ष अचानक विरोध में हो जाए तो पन्ना उतार देना चाहिए, अगर ये नुकसान करे तो बुद्धि भ्रष्ट भी होने लगती है।

बृहस्पति का रत्न (पीला पुखराज) - पीला पुखराज आध्यात्म, आर्थिक सुख, और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है,किसी व्यक्ति की कुंडली में गुरु ग्रह नीच के है तो भी उसे पुखराज धारण नहीं करना चाहिए. इससे पेट, धन हानि हो सकती है.

शुक्र का रत्न (हीरा) - हीरा जिसे फल जाए वह संपन्न, सौंदर्य और भौतिक सुख से परिपूर्ण रहता है लेकिन अगर ये नुकसान करे तो जीवन बर्बादी की राह पर उतर आता है. इसके अशुभ परिणाम से जातक घमंडी हो जाता है, कर्ज में डूब जाता है.

शनि का रत्न (नीलम) - नीलम बहुत शक्तिशाली रत्न माना गया है, इसे पहनने से शनि की शुभता मिलती है. व्यक्ति मेहनत के बल पर हर कार्य पूरा करने में सक्षम होता है लेकिन नीलम नुकसान करे तो जीवन में उथल-पुथल मच जाता है

राहु का रत्न (गोमेद) - राहु की पीड़ा को कुछ हद तक शांत करने के लिए गोमेद रत्न को धारण किया जाता है. कोई भी रत्न बिना जानकार की सलाह के न पहनें. गोमेद जब नुकसान करे तो दुर्घटना, प्रतिष्ठा पर धब्बा, गंभीर बीमारी जैसे समस्याएं आती है.

केतु का रत्न (लहसुनिया) - यह केतु का रत्न है. अगर कुंडली में केतु अनुकूल हो तभी इसको जानकार की सलाह पर धारण करें. नहीं तो चर्म रोग या स्नायु तंत्र की समस्या हो सकती है.

बिजनेस में चाहिए तेज़ी, बस इन बातों का रखें ध्यान

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ इंदौर (म.प्र.)

दुकानों के लिए वास्तु आपके लिए समृद्धि और वार्षिक आय बढ़ा सकता है। वास्तु शास्त्र द्वारा दी गई युक्तियों में दुकान के प्रवेश द्वार और डिस्प्ले का सही स्थान, बाहरी हिस्से और ग्राहकों के बैठने की जगह को बेहतर बनाना, पौधे लगाना और बहुत कुछ शामिल है। वास्तु के अनुसार अपनी व्यावसायिक सेवा में अपने काम या बिक्री को बढ़ावा देने के लिए, आप नीचे दिए गए सुझावों का पालन कर सकते हैं।

दुकानों के लिए सर्वोत्तम दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार व्यावसायिक दुकानों के लिए प्रवेश द्वार पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ये शुभ दिशाएं अधिक ग्राहकों को आकर्षित करेंगी और आपके व्यवसाय में वृद्धि करेंगी। इसके अलावा, प्रवेश द्वार पूरा खुला होना चाहिए और पेड़ों, पौधों या खंभों से अवरुद्ध नहीं होना चाहिए। इसके अलावा दुकान के सामने नालियां नहीं होनी चाहिए।

दुकानों के लिए सबसे खराब वास्तु दिशा

कुछ लोगों के लिए कोई बुरी दिशा नहीं होती, यहां तक कि सबसे खराब दिशा वाली दुकान भी लाभदायक हो सकती है। जबकि, कभी-कभी सर्वोत्तम दिशा-निर्देश वाली दुकानें बिल्कुल भी प्रदर्शन नहीं कर पाती हैं। हालाँकि, एक सुझाव यह है कि निर्णय लेने से पहले आपको वास्तु विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

दुकान काउंटर के लिए वास्तु

दुकान के लिए वास्तु शास्त्र के दिशानिर्देशों के अनुसार, काउंटर गोलाकार के बजाय कोणीय, वर्गाकार और आयताकार आकार में होना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि गोलाकार या घुमावदार आकृतियों से आर्थिक नुकसान हो सकता है। आपको काउंटर को दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए क्योंकि वे सबसे अच्छे हैं। इसके अलावा, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि काउंटर पर पर्याप्त जगह होनी चाहिए। यदि अलग से उत्तर दिशा की ओर खुलने वाला कैश काउंटर हो तो बहुत अच्छा माना जाता है। दुकान में कैश बॉक्स के लिए वास्तु के टिप्स अपनाने से आपको कई फायदे होंगे।

व्यावसायिक दुकान में कैश बॉक्स के लिए वास्तु

अपना कैश काउंटर ऐसे रखें जो उत्तर दिशा की ओर खुले। कैश बॉक्स के लिए वास्तु के टिप्स आपकी समृद्धि और कमाई को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। आप तिजोरी में माता लक्ष्मी जी और भगवान गणेश की मूर्ति भी रख सकते हैं, रोजाना इनकी पूजा करनी चाहिए। यदि आपका लॉकर दक्षिण-पश्चिम दिशा में है तो दुकान का प्रवेश द्वार उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए।

11 फरवरी को शनिदेव होंगे अस्त, इन राशि वालों को रहना होगा सावधान

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि का राशि परिवर्तन बहुत ही विशेष होता है। शनि के राशि परिवर्तन करने पर सभी 12 राशियों के जातकों के साथ-साथ देश-दुनिया पर भी पड़ रहा है। वैदिक शास्त्र की गणना के मुताबिक शनि इस साल अपनी राशि परिवर्तन नहीं करेंगे, क्योंकि शनि किसी एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते हैं। शनि अभी अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में मौजूद हैं। शनि का इस साल भले ही राशि परिवर्तन न हो लेकिन ये समय पर अपनी स्थिति में बदलाव करते रहेंगे। शनिदेव 11 फरवरी को शाम 6 बजकर 56 मिनट पर कुंभ राशि में अस्त हो जाएंगे। यहां पर अस्त होने के मतलब शनि सूर्य के नजदीक होंगे, जिससे शनि का प्रभाव सूर्यदेव के तेज के आगे क्षीण हो जाएगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एक तरफ जहां शनि के अस्त होने से कुछ राशियों को विशेष लाभ मिल सकता है तो दूसरी तरफ इसका नुकसान कुछ राशियों को हो सकता है। शनि के अस्त होने पर कुछ राशि वालों की परेशानियां बढ़ सकती हैं, आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं शनि के अस्त होने की स्थिति में किन-किन राशि वालों को संभलकर रहना होगा।

मेष राशि

11 फरवरी से अस्त होने जा रहे शनि मेष राशि के जातकों के लिए कुछ परिशानियों में इजाफा करवा सकते हैं। आपकी राशि में शनि 11वें भाव में अस्त होंगे जिसे आपकी आर्थिक स्थिति में मुसिबतों का सामना करना पड़ सकता है। काम-धंधे में नुकसान की संभावना है। साथ ही साथ कार्यों में तरह-तरह की रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। जिन जातकों का किसी प्रकार का विवाद कोर्ट-कचहरी में चल रहा उसमें चुनौतियां आ सकती है। नौकरी पेशा जातकों को नौकरी में अपने वरिष्ठ अधिकारियों से वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में हानि से आपकी परेशानियां बढ़ सकती है। परिवार में सदस्यों के बीच मनमुटाव भी हो सकता है।

वृषभ राशि

शनि आपकी राशि से 10वें भाव में अस्त होंगे। ऐसे में शनि के अस्त होने पर वृषभ राशि के जातकों के जीवन में काफी उथल-पुथल हो सकती है। नौकरपेशा जातकों को उनके कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। करियर में कुछ परिशानियों का सामना भी करना होगा। व्यापार करने वाले जातकों को कोई बड़ा नुकसान हो सकता है, ऐसे में आपको संभलकर चलना होगा। वैवाहिक जीवन में आपको संतुलन बनाकर चलना होगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के कुंडली में शनि छठे भाव में अस्त होंगे। शनि की ऐसी स्थिति से आपके कष्टों में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों को कुछ संभलकर रहना होगा। इस दौरान आपको बहुत ही सचेत रहकर कार्य को करना होगा। व्यापार में नुकसान होने से आपका मन दुखी रह सकता है। लेकिन आपको धैर्य से काम लेना होगा। इस दौरान आपके आसपास का वातावरण अच्छा नहीं रहेगा।

अगर आप भी आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो ज़रूर करें धन प्राप्ति के ये अचूक उपाय

आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास ढेर सारा धन हो। मां लक्ष्मी की कृपा उन पर सदैव बनी रहेगी। लेकिन कई बार काफी मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल पाती है। तब लोग ज्योतिष शास्त्र का सहारा लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिन्हें आजमाकर लोग अपनी किस्मत बदल सकते हैं। इन उपायों को करने से धन प्राप्ति की संभावनाएं बढ़ने लगती हैं। यदि कोई बाधा हो तो वह दूर हो जाती है। तो आइए जानते हैं धन प्राप्ति के कुछ उपाय।

धन प्राप्ति के लिए करें ये ज्योतिषीय उपाय

शास्त्रों के अनुसार काली मिर्च का उपाय धन संबंधी समस्याओं को दूर करने में कारगर माना जाता है। इसके लिए काली मिर्च के 5 दाने लें और उन्हें अपने सिर से 7 बार उतारें। इसके बाद इनमें से 4 दाने चारों दिशाओं में फेंक दें और पांचवे दाने को आकाश की ओर फेंक दें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार धन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने के बाद सूर्योदय के समय 11 बार लक्ष्मी सूक्त और श्री सूक्त का पाठ करना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा लगातार 108 दिनों तक करने से धन संबंधी सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

धर्म ग्रंथों के अनुसार धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करें। पूजा के बाद 11 हल्दी की गांठें लें और उन्हें लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें। कहा जाता है कि इससे तिजोरी कभी खाली नहीं रहती।शास्त्रों के अनुसार श्रीयंत्र को मंदिर में या घर के ईशान कोण में रखना चाहिए और रोजाना इसकी पूजा करनी चाहिए। कहा जाता है कि इससे घर में मां लक्ष्मी का स्थाई वास होता है।

आपको बता दें कि शुक्रवार का दिन देवी लक्ष्मी को समर्पित है। इसलिए इस दिन अशोक वृक्ष की थोड़ी सी जड़ लाकर अपने घर की तिजोरी में रखें। कहते हैं कि इससे घर में धन की कमी नहीं होती और धन का आगमन बना रहता है।

साल 2030 तक 75 अरब डॉलर के रत्न एवं आभूषणों का होगा निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत दुनिया में सोने का बड़ा खरीदार तो है ही। सरकार चाहती है कि यहां सोने के गहनों का डिजाइन स्विटजरलैंड के टक्कर का बने। ताकि यहां से दुनिया के विभिन्न देशों में स्वर्ण आभूषणों का खूब निर्यात हो। यह कहना है केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करने विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी का। वह यहां जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा आयोजित दो दिवसीय (23-24 जनवरी) इंडिया गोल्ड एंड ज्वैलरी समिट को संबोधित कर रहे थे।

ई-कामर्स के जरिये बढ़े निर्यात

सारंगी ने कहा कि भारत में स्वर्ण आभूषणों का इको सिस्टम मजबूत है। साथ ही यहां उसी हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर भी बना हुआ है। बात चाहे सरकारी नीति की हो, आभूषणों निर्यात का हो या रिटेल, डिजाइन और इनोवेशन का हो। सब क्षेत्र में भारत का जेम एंड ज्वैलरी उद्योग आगे है। अब जरूरत है कि जीजेईपीसी ई-कॉमर्स के माध्यम से भारत में बने आभूषणों के निर्यात को लोकप्रिय बनाए। सरकार चाहती है कि भारत सोने के आभूषणों के लिए शीर्ष आपूर्तिकर्ता, डिजाइन निर्माता और मूल्य वर्धित केंद्र के रूप में स्थापित हो। इसके लिए हर तरह का समर्थन दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिवसीय इंडिया गोल्ड एंड ज्वैलरी समिट उद्देश्य देश की आर्थिक वृद्धि में सोने की भूमिका को बढ़ाना और विस्तारित करना है। इस कार्यक्रम में वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल प्रमुख भागीदार था।

आर्थिक विकास में बढ़े सोने की भूमिका

इंडिया गोल्ड एंड ज्वैलरी समिट 2024 के चौथे संस्करण का मुख्य विषय था - आर्थिक विकास में सोने की भूमिका बढ़ाएं। शिखर सम्मेलन के उद्घाटन दिवस में विभिन्न सत्र शामिल थे, जिसमें निर्यात वृद्धि के लिए भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते का लाभ उठाने, डिजाइन और इनोवेशन के माध्यम से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और डिजिटलीकरण के माध्यम

से सोने की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चर्चा शामिल थी। IGJS 2024 के दूसरे दिन, फोकस भारत में जिम्मेदार रिपोर्टिंग के माध्यम से अनुपालन को बढ़ावा देने, स्वतंत्र स्टोर और संगठित खुदरा के स्थायी सह-अस्तित्व की खोज करने और जिम्मेदार सोर्सिंग के माध्यम से वैश्विक अनुपालन को संबोधित करने जैसे विषयों पर केंद्रित हो गया।

भारत सोने के बड़े खरीदारों में से एक

विदेश व्यापार महानिदेशक संतोष कुमार सारंगी ने कहा, 'भारत विश्व स्तर पर सोने के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है, जो भारतीयों की मजबूत क्रय शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। यह संभावित रूप से सोने की कीमतों और उपलब्धता को सुव्यवस्थित करने को प्रभावित कर सकता है।' उनका कहना है कि भारत में सोने की डिमांड का फ्रेगमेंटेड नेचर है। यहां कुछ ऐसे छोटे जेवर विक्रेता भी हैं जो महज कुछ ग्राम के आभूषण बेचते हैं। वहीं कुछ बड़े जौहरी भी हैं जो कि किलो और टन के हिसाब से सोना बेचते हैं। अब इस कीमती धातु से बने आभूषाणों के निर्यात को सुव्यवस्थित करने की तत्काल आवश्यकता है। इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। बस जरूरत है विश्व स्तर पर अग्रणी निर्यातक बनने की। इसके लिए यहां इनोवेटिव और क्रिएटिव डिजाइन को बढ़ावा देना होगा। यहीं स्विटजरलैंड की टक्कर का आभूषण डिजाइन करना होगा। हमें भारत में ऐसे चैंपियनों की ज़रूरत है जो पश्चिमी टेस्ट को पूरा करने वाले रचनात्मक डिज़ाइनों में निवेश करें।

2030 तक 75 बिलियन डॉलर का निर्यात करना है

इस अवसर पर जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने कहा कि इस समिट का उद्देश्य नीति निर्माताओं और उद्योग के बीच संवाद स्थापित करना है ताकि भारत के रत्न और आभूषण क्षेत्र से व्यापार और निर्यात की वृद्धि के लिए नीतियां बनाने में मदद मिल सके। इस वर्ष का शिखर सम्मेलन सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख नीतिगत पहलों के कारण महत्वपूर्ण है, जैसे कि भारत यूएई सीईपीए और भारत ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए पर हस्ताक्षर; हॉलमार्किंग और एचयूआईडी नीति का सफल कार्यान्वयन; एफएटीएफ द्वारा भारत की एक बहुत ही सफल समीक्षा और कई अन्य पहल। भविष्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य साल 2030 तक 75 अरब डॉलर के रत्न और आभूषणों निर्यात करना है। साल 2030 तक तो सिर्फ सोने के आभूषणों के निर्यात को 25 बिलियन या अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

जेम एंड ज्वैलरी क्षेत्र की पूरी थी उपस्थिति

इस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डीजीएफी संतोष कुमार सारंगी के अलावा जीजेईसीपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के रीजनल सीईओ सोमसुंदरम पीआर, जीजेईपीसी के उपाध्यक्ष किरीट भंसाली एवं उद्योग के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गैलेक्सी ए24 सीरीज की भारत में दमदार शुरुआत

तीन दिनों में 250,000 की रिकॉर्ड प्री-बुकिंग हुई

गुरुग्राम। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने आज अपनी हाल ही में लॉन्च हुई फ्लैगशिप गैलेक्सी ए24 सीरीज की रिकॉर्ड प्री-बुकिंग हासिल करने की घोषणा की है। इस शानदार उपलब्धि की बदौलत यह अब तक की सबसे सफल एस सीरीज बन गई है। तीन दिन पहले 18 जनवरी को देश में प्री-बुकिंग शुरू होने के बाद से भारत में 250,000 से अधिक ग्राहकों ने गैलेक्सी ए24 स्मार्टफोन का ऑर्डर दिया है। तुलनात्मक लिहाज से देखें तो सैमसंग को भारत में तीन हफ्तों में गैलेक्सी ए23 सीरीज के लिए 250,000 प्री-बुकिंग्स मिली थीं।

सैमसंग इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजू पुल्लन ने कहा, 'गैलेक्सी एआई से पावर्ड गैलेक्सी ए24 सीरीज, मोबाइल क्रांति के एक नए युग की शुरुआत करती है और नई संभावनाओं की खोज करने के लिए उपभोक्ताओं के हाथों में एआई की शक्ति देती है। गैलेक्सी ए24 के साथ, उपभोक्ता कम्युनिकेशंस को आसान और सरल बना सकते हैं और अपनी उत्पादकता और रचनात्मकता को अधिकतम कर सकते हैं, जो उनकी रोजाना की जिंदगी को सशक्त बनाता है। गैलेक्सी ए24 सीरीज की जबरदस्त सफलता दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ता नई तकनीक को तेजी से अपनाते हैं। मैं गैलेक्सी ए24 सीरीज को मिले जबर्दस्त रिस्पॉन्स के लिए हमारे उपभोक्ताओं को धन्यवाद देता हूं।'

'मेड इन इंडिया' गैलेक्सी ए24 अल्ट्रा, गैलेक्सी ए24+ और गैलेक्सी ए24 स्मार्टफोन लाइव ट्रांसलेट, इंटरप्रेटर, चैट असिस्ट, नोट असिस्ट और ट्रांसक्रिप्ट असिस्ट सुविधाओं के साथ फोन की सबसे बुनियादी भूमिका यानी कम्युनिकेशन या संचार के अनुभव को नई ऊंचाई पर लेकर जाते हैं। सैमसंग कीबोर्ड में एआई बिल्ट हिंदी सहित 13 भाषाओं में रियल टाइम में मैसेज को ट्रांसलेट भी कर सकता है। कार में, एंड्रॉएड ऑटो ऑटोमैटिक तरीके से आने वाले संदेशों को संक्षिप्त रूप में सामने रखते हुए प्रासंगिक रिप्लाई और एक्शन का भी सुझाव देगा।

गैलेक्सी ए24 ने सर्च के इतिहास में नई उपलब्धि हासिल की है क्योंकि यह गूगल के साथ सहज, हावभाव-संचालित सर्कल टू सर्च की शुरुआत करने वाला करने वाला पहला फोन है। जरूरी, उच्च-गुणवत्ता वाले सर्च रिजल्ट देखने के लिए यूजर गैलेक्सी ए24 की स्क्रीन पर कुछ भी सर्कल कर सकते हैं या फिर हाइलाइट कर सकते हैं, लिख सकते हैं या टैप कर सकते हैं। कुछ सर्च के लिए, जेनरेटिव एआई-संचालित प्रिव्यू पूरे वेब से हासिल जानकारी और संदर्भ मुहैया करा सकता है।

EPFO ने नवंबर में जोड़े 13.95 लाख नए मेंबर, जानिए क्या हैं संकेत

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने नवंबर 2023 में शुद्ध रूप से 13.95 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। ईपीएफओ ने आज यानी शनिवार को ताजा पेरोल आंकड़े जारी किए हैं। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बीते वित्त वर्ष के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में सदस्यों की संख्या ज्यादा बनी हुई है। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के अनंतिम पेरोल आंकड़ों के मुताबिक, निकाय ने नवंबर में शुद्ध रूप से 13.95 लाख सदस्य जोड़े हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन महीने के दौरान लगभग 7.36 लाख नए सदस्य शामिल हुए हैं।

महिलाओं की संख्या बढ़ी

इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग ही हिस्सेदारी 57.30 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश सदस्य युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर चले गए लगभग 10.67 लाख सदस्य वापस आ गए। बयान के मुताबिक जोड़े गए 7.36 लाख नए सदस्यों में लगभग 1.94 लाख महिला सदस्य हैं, जो पहली बार ईपीएफओ में शामिल हुई हैं। समीक्षाधीन माह में कुल 2.80 लाख महिलाएं ईपीएफओ की योजनाओं में शामिल हुईं।

इन शहरों से शामिल हुए ज्यादा लोग

सबसे अधिक सदस्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा और दिल्ली में शामिल हुए। महाराष्ट्र 21.60 प्रतिशत शुद्ध सदस्य वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा है।

आधार कार्ड मान्य नहीं

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने घोषणा करके बताया है कि अब जन्मतिथि को वेरिफाई करने के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं होगा। ईपीएफओ ने आधार को डेट ऑफ बर्थ वेरिफाई करने की लिस्ट से बाहर कर दिया है। ईपीएफओ भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का हिस्सा है। यह कदम ईपीएफओ ने भारतीय विशिष्ठ पहचान प्राधिकरण के निर्देश के बाद उठाया है। यूआईडीएआई की ओर से ही आधार को जारी किया जाता है। अब आपको ईपीएफओ में जन्मतिथि को वेरिफाई कराने के लिए आधार की जगह कोई दूसरा दस्तावेज उपलबध कराना होगा।

इंदौर, उज्जैन, रतलाम, देवास समेत 9 जिलों में लगे स्मार्ट मीटर

इंदौर में सर्वाधिक 2.52 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित

बिजली कंपनी क्षेत्र में अब तक 5.55 लाख स्मार्ट मीटरों की स्थापना

उपभोक्ता संतुष्टि में साबित हो रहे कारगर

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोत्तरी और डिजिटलाइजेशन के लिए स्मार्ट मीटर प्राथमिकता से लगाए जा रहे हैं। अब तक कंपनी क्षेत्र में 9 जिलों के अंतर्गत 5 लाख 55 हजार स्मार्ट मीटर निःशुल्क लगाए जा चुके हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि कंपनी में सबसे प्रथम इंदौर शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ हुआ था। सबसे ज्यादा 2 लाख 52 हजार स्मार्ट मीटर इंदौर शहर में लगाए जा चुके हैं। श्री तोमर ने बताया कि उज्जैन में 80 हजार, रतलाम में 71500, देवास शहर में 45500 स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। मंदसौर में 7 हजार, झाबुआ में 13 हजार, बड़वानी में 12800, नीमच में 1000 स्मार्ट मीटर लग चुके है। इन स्थानों पर निःशुल्क रूप से स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य जारी है। इसी के साथ अन्य कस्बों में में स्मार्ट मीटरीकरण प्रारंभ है। कंपनी के खरगोन शहर और महू शहर पहले ही पूर्ण स्मार्ट मीटरीकृत हो चुका है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया कि स्मार्ट मीटर पावर फैक्टर भी रीड करते है, इससे गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को समय पर पावर फैक्टर छूट प्रदान करने में अत्यंत आसानी हो रही है।

सौर ऊर्जा गणना में भी कारगर

साथ ही स्मार्ट मीटर नेट मीटर सुविधा वाले भी होंने से रूफ टॉप सोलर नेट मीटर से संबद्ध उपभोक्ता को पृथक से नेट मीटर लगाने की जरूरत नहीं होती है। इस तरह स्मार्ट मीटर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए प्रोत्साहन में भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं।

क्लियरट्रिप और फ्लिपकार्ट आध्यात्मिक पर्यटन को लेकर बड़े आशावादी हैं

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए दर्शन डेस्टिनेशंस लॉन्च किये

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश भर में जश्न के माहौल को सम्मान देते हुए, क्लियरट्रिप ने अयोध्या जाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को फ्लाइट्स के 1,008 मुफ्त कॉम्प्लीमेंटरी टिकट पेश किये हैं। यह ऑफर फ्लिपकार्ट ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध होगा। भारत में आध्यात्मिक पर्यटन में आए उछाल को देखते हुए फ्लिपकार्ट की कंपनी क्लियरट्रिप ने 'दर्शन डेस्टिनेशंस' लॉन्च करने की घोषणा की है। अयोध्या में मंदिर खुलने से पहले यात्रा में आए अभूतपूर्व उछाल और तमाम गणमान्य लोगों और सिलेब्रिटीज के अयोध्या पहुंचने के बीच, क्लियरट्रिप श्रद्धालुओं की भगवान का आशीर्वाद लेने में मदद कर रहा है। क्लियरट्रिप ने अयोध्या जाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को फ्लाइट्स के 1008 कॉम्प्लीमेंटरी टिकट प्रदान किये हैं। यह ऑफर फ्लिपकार्ट ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध होगा।

'दर्शन डेस्टिनेशंस' के लिए की गई पहल के तहत क्लियरट्रिप और फ्लिपकार्ट ट्रैवल ने भी धार्मिक जगहों की यात्रा के लिए फ्लाइट्सड, होटल और बसों के लिए भी विशेष किराए की घोषणा की है। इस पहल के तहत भारत के प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए लोग बस, होटल और फ्लाइट्स की बुकिंग पर 20 फीसदी की छूट हासिल कर सकते हैं। इनमें अयोध्या, मदुरै, तिरुपति, अमृतसर, भोपाल, शिरडी, बोधगया, कोच्चि, कटरा (जम्मू) शामिल हैं। यात्रियों के लिए फ्लाइट्स, होटल और बसों के किराए में छूट हासिल करने का यह काफी अच्छा प्रस्ताव है।

अयोध्या में मंदिर के उद्घाटन के बाद धार्मिक जगहों की यात्रा में हाल ही में आया उछाल यात्रियों की पसंद में आए उल्लेखनीय बदलाव का संकेत करता है। क्लियरट्रिप और फ्लिपकार्ट ट्रैवल के इस प्लेटफॉर्म पर अयोध्या के लिए खोज में कुल 1500 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई।

क्लियरट्रिप के सीईओ अयप्पन राजागोपाल ने कहा 'उपभोक्ता केंद्रित कंपनी होने के नाते क्लियरट्रिप अपने ग्राहकों की जरूरतों को अच्छी तरह समझता है। हमारा मानना है कि धार्मिक जगहों की यात्रा हमारी संस्कृति का मूल बिंदु है, जिसमें हमारी सदियों पुरानी परंपराएं रची बसी हैं। अब जब ज्यादा लोग इन धार्मिक जगहों की सार्थक यात्राओं में जाने में दिलचस्पी ले रहे हैं तो हम उनकी यात्रा के अनुभव को सुखद और किफायती बनाना चाहते हैं। हमारा यह ऑफर विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए है, जो देश की समृद्ध विरासत का पूरी तरह से आंतरिक अनुभव लेना चाहते हैं। हमारी उम्मीद है कि हम बुजुर्ग नागरिकों के साथ अन्य लोगों को भी इन धार्मिक स्थानों की यात्रा करने की प्रेरणा देंगे और इसमें उन्हें सक्षम बनाएंगे। इसके साथ ही हम उनकी यात्रा संबंधी आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे।''

क्लियरट्रिप और फ्लिपकार्ट ट्रैवल दर्शन डेस्टिनेशंस जैसी उपभोक्ता को केंद्र में रखकर की पहलों से अपने ग्राहकों को उनकी पहुंच में किफायती और यात्रा का एक शानदार अनुभव प्रदान करना जारी रखेंगे। क्लियरट्रिप: ऊपर लिखी अलग-अलग धार्मिक जगहों की घरेलू उड़ानों पर फ्लैट 20 फीसदी की छूट केवल वरिष्ठ नागरिकों को सीनियर सिटिजन के लिए रियायती किरायों के अलावा उपलब्ध है। ऊपर लिखी सभी धार्मिक जगहों के लिए होटल और बसों पर फ्लैट 20 फीसदी की छूट सभी यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

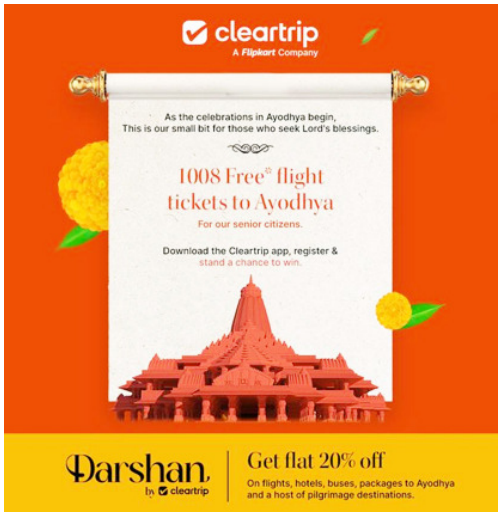

जियो वर्ल्ड प्लाजा में सैमसंग बीकेसी लाइफस्टाइल एक्सपीरिएंस स्टोर की शुरुआत

एआई सक्षम डिवाइस अनुभव का प्रदर्शन

भारत। आईपीटी नेटवर्क

देश की सबसे बड़ी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, सैमसंग ने आज जियो वर्ल्ड प्लाजा मॉल में भारत में अपने पहले ऑनलाइन-टू-ऑफलाइन (O2O) लाइफस्टाइल स्टोर का उद्घाटन किया। जियो वर्ल्ड प्लाज़ा मुंबई में रिटेल, लीशर और डाइनिंग के लिए हाल में लॉन्च किया गया अल्ट्रा लग्जरी मॉल है। कंपनी की यह पहल भारत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जियो वर्ल्ड प्लाज़ा में 8,000 वर्ग फुट में फैला सैमसंग बीकेसी मुंबई के बीचोबीच बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के मुख्य कारोबारी केंद्र में स्थित है और इसमें बिलकुल नए सिरे से तैयार किए गए अनुभवों और वास्तविक जीवन परिदृश्यों के माध्यम से सैमसंग के शीर्ष प्रीमियम उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह नया स्टोर सैमसंग के एआई इकोसिस्टम की व्यापकता का लाभ उठाते हुए स्मार्टफोन से लेकर टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और अन्य उत्पादों तक सैमसंग के व्यापक प्रीमियम पोर्टफोलियो को प्रदर्शित करता है। प्रीमियम उपभोक्ताओं और तकनीकी के प्रति उत्साही ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए सैमसंग बीकेसी सैमसंग के नवीनतम एआई अनुभव को प्रस्तुत करता है, जिसमें उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के लिए 'एआई फॉर ऑल' से लेकर मोबाइल उपकरणों के लिए 'गैलेक्सी एआई' तक, सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

देश में पहले सैमसंग ओ2ओ स्टोर के रूप में, सैमसंग बीकेसी खुदरा खरीदारी के अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाते हुए और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए ग्राहकों के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोलेगा। इन स्टोर कर्मचारियों की मदद के साथ ही खुदरा क्षेत्र में इस नए इनोवेशन के माध्यम से, सैमसंग बीकेसी स्टोर ऑनलाइन डिजिटल कैटलॉग से 1,200 से अधिक विकल्पों के साथ उत्पादों को सेलेक्ट करने का अनुभव देते हुए ऑनलाइन सुविधा का विस्तार करता है। इसके अलावा, इन उत्पादों को न केवल मुंबई में बल्कि देश में कहीं भी डिलीवर किया जा सकता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने हीरो वर्ल्ड 2024 में पेश किया भविष्य का रोमांचक रोडमैप

मैवरिक 440 मोटरसाइकिल के साथ अपर-प्रीमियम सेगमेंट में रखा कदम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

'वर्ष 2024 वास्तव में बहुत खास है क्योंकि हम हीरो की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। आज हम भारतीय प्रतिभा और उद्यम के प्रतीक के रूप में खड़े हैं। हम अपने देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं, इंजीनियरिंग, नवाचार और प्रौद्योगिकी कौशल के पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वर्ष 2024 विशेष महत्व रखता है क्योंकि हम इस साल अपने संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, मेरे प्यारे पिता और हमारे हीरो फॉरएवर डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल के शताब्दी वर्ष का जश्न मना रहे हैं और उनका स्मरण कर रहे हैं। उनका विशाल व्यक्तित्व अद्वितीय है, जो अपनी स्थायी विरासत और मजबूत नैतिक मूल्यों के जरिए हम सभी को प्रेरित करता रहता है।

हीरो मोटोकॉर्प की वैश्विक पहुंच आज कई महाद्वीपों के लगभग 50 देशों तक फैली हुई है, जहां हीरो सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास से भरे भारत का एक चमकदार उदाहरण है जोकि देश के मूड एवं विजन को प्रस्तुत करता है - यह हमारे माननीय प्रधान मंत्री - श्री नरेंद्र भाई जी मोदी के विजन के मुताबिक उत्साह से भरपूर, गतिशील, आत्मनिर्भर और महत्वाकांक्षी भारत को प्रतिबिंबित करता है।'

डॉ. पवन मुंजाल
एक्जीक्यूटिव चेयरमैन - हीरो मोटोकॉर्प

मोबिलिटी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, स्कूटर और मोटरसाइकिल बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आज जयपुर में हीरो के अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (CIT) में हीरो वर्ल्ड के बहुप्रतीक्षित दूसरे संस्करण का अनावरण किया। इस इवेंट में सबसे ज्यादा फोकस आईसीई सेगमेंट के नए प्रोडक्शन -रेडी वाहनों, ग्राहक-केंद्रित समाधानों, तकनीकी नवाचारों पर है। इसमें इलेक्ट्रिफिकेशन और सस्टेनेबिलिटी पर भी फोकस किया गया है। अपनी तरह के इस अनूठे आयोजन ने प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए अपने महत्वाकांक्षी भविष्य के रोडमैप का अनावरण करने के लिए एक मंच का काम किया है।

400 करोड़ से अधिक के नुकसान में मालदीव, भारत को आंख दिखाना पड़ रहा भारी

एजेंसी

भारत आज के समय में दुनिया के लिए सबसे बड़ा बाजार है। पीएम मोदी इसे हर मंच पर प्रमोट करते हैं। इसी बीच जब वह लक्ष्यद्वीप की यात्रा पर थे और लक्ष्यद्वीप टूरिज्म को प्रमोट कर रहे थे। तो मालदीव के कुछ मंत्रियों ने उनपर टिप्पणी कर दी थी। उसका भारतीय पर्यटकों द्वारा बहिष्कार किया गया। अब मालदीव को उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पीएम मोदी की लक्ष्यद्वीप की यात्रा पर मालदीव के मंत्रियों ने टिप्पणी की थी। उसके बाद भारतीय

पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। भारतीय टूरिस्ट मालदीव की इकोनॉमी में बूस्टर डोज देने का काम करते हैं, लेकिन अब इस ऐलान का असर मालदीव की इकोनॉमी को चुकाना पड़ रहा है। मालदीव सरकार की कुल कमाई का एक बड़ा हिस्सा टूरिस्ट द्वारा किए गए खर्चों से आता है। मालदीव पहुंचने वाले टूरिस्ट में सबसे अधिक संख्या भारतीयों की होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मालदीव को 400 करोड़ के आसपास का नुकसान हुआ है।

लगभग 400 करोड़ का नुकसान

मालदीव में 180 होटल हैं, जिनके लिए भारत मुख्य बाज़ार है। Soneva के सीईओ कहते हैं कि उन्हें इस बात पर संदेह है कि आने वाले महीनों में मालदीव जाने के मामले में भारतीय पर्यटकों की संख्या विवाद पूर्व लेवल पर पहुंच पाएगी। उनके मुताबिक, अभी तक मालदीव को 25-50 मिलियन डॉलर यानी करीब 400 करोड़ रुपए या उससे अधिक का नुकसान होगा। वह कहते हैं कि इसका प्रभाव उन होटल व्यवसायियों पर पड़ेगा जो मेहमानों और इससे भी महत्वपूर्ण बात कि इन होटलों के कर्मचारियों के लिए शानदार एक्सपीरिएंस बनाने में बहुत प्रयास करते हैं। बता दें कि सोनेवा फुशी 1995 में मालदीव में खुलने वाले पहले लक्जरी होटलों में से एक था, और सोनेवा ब्रांड को अपने रेवेन्यू का 50% से अधिक मेहमानों से प्राप्त होता है, जिसमें भारतीय भी शामिल हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।